चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9.7.22	2	1-4

उपलब्धि • हरियाणा का नाम रोशन करने वाली छात्रा को वीसी ने किया सम्मानित

निशा बनीं पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नगर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है।

निशा को मिलने लगे हैं नौकरी के ऑफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

ड्रोन पर करेगी पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टेक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नरेंद्र को हरियाणा का प्रथम खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र मिला

सिटी रिपोर्टर • खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग हरियाणा द्वारा एडवेंचर स्पोर्ट्स पॉलिसी के अंतर्गत मींगनी खेड़ा निवासी नरेंद्र कुमार को एडवेंचर शास्त्री की गतिविधि में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल किए जाने पर हरियाणा प्रदेश का प्रथम खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र जारी किया गया।

प्रमाण पत्र नरेंद्र कुमार द्वारा माउंट ल्होत्से चोटी 16 मई 2022 को सबमिट करने पर प्रदान किया गया। यह प्रमाण पत्र हिसार मंडल हिसार के उपनिदेशक सत्यदेव मलिक एवं जिला खेल अधिकारी कुमारी संतोष धीमान के कर कमलों द्वारा उनके कार्यालय में प्रदान किया गया इस अवसर पर ग्रेडेशन कमेटी मेंबर दलबीर सिंह, हरमेश चंद्र योगा, रेखा , निखिल , जगबीर , रचना , रमेश सिंह, सुभाष चंद्र मौजूद रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9.7.22	1	2-5

निशा बनीं हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनीं है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन आपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है, क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के बाद निशा को काफी फायदे हुए हैं। मौके पर ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण। • पीआरओ

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डा. विजया रानी ने बताया कि निशा एमटेक की छात्रा है। वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9.7.22	3	1-3

एचएयू की छात्रा निशा बनीं प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

वीसी बोले- कृषि में ड्रोन का महत्व, फसलों पर पोषक तत्वों कीटनाशकों के साथ बीजों के छिड़काव में ड्रोन का हो रहा प्रयोग

ड्रोन पायलट निशा सोलंकी।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने निशा की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं। फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एमटेक की छात्रा है। वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9.7.22	7	1-3

छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

अब करना चाहती है ड्रोन पर पीएच.डी. रिसर्च

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण।

हिसार, 8 जुलाई (ब्यूरो): छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑप्रेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। फिलहाल वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पॉवर इंजीनियरिंग विभाग में एम.टैक. की छात्रा है।

उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएच.डी. की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इसके लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि को सराहते हुए कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटैक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं। इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9.7.22	5	1-3

निशा सोलंकी बनी प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीग।

हिसार, 8 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है, क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	9.7.22	2	8

प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी निशा सोलंकी

हिसार, 8 जुलाई (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की एमटेक की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर औप्टिर का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने निशा को बधाई दी और कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	09.07.2022	------	--------

चौ.च.सिं. हकृवि की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता।

उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हे काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	08.07.2022	------	--------

एचएयू की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

मिलने लगे है नौकरी के ऑफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हे काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	08.07.2022	------	--------

ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व : वीसी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई दीं।

कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है।

मिलने लगे है नौकरी के ऑफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हे काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	08.07.2022	------	--------

चौ.च.सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा को इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है।

मिलने लगे है नौकरी के ऑफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-ड्रहन से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ:छोर	08.07.2022	------	--------

प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी निशा सोलंकी

हिसार/ 08 जुलाई/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई देते हुए कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं। फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एमटैक की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	08.07.2022	------	--------

हिसार: एचएयू की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

08 Jul 2022 17:43:28

एम. टेक की छात्रा है निशा, ड्रोन पर पीएचडी करने की चाहत

हिसार, 08 जुलाई (हि.स.)। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई व शुभकामनाएं दी। कुलपति ने शुक्रवार को कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, पैसे की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं। फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एमटेक की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.07.2022	------	--------

एचएयू की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

[illegible]

[illegible]

मिलने लगे हैं नौकरी के ऑफर

[illegible]

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	08.07.2022	------	---------

एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकार : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिज़ाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है व्यवहार्य सहायता

कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएँ बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बौद्धिक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिज़ाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी।

श्रमिकों को सामान्य पहुंच में काम करने में होती है सुविधा

डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूषण बनाने में लगी महिलाएँ फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4 महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉम्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बचत करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9.7.22	2	8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 11 तक कर सकेंगे आवेदन

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट, जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी(बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेंस टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण(कैथल)	9.7.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी

- **पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई**

कैथल, 8 जुलाई (महीपाल): चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 6 वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला 10वीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टैस्ट जबकि 4 वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बी.एफ.एससी.(बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बी.एससी. (आनर्स) कम्यूनिटी साइंस व बी.एससी. (आनर्स) एग्रीबिजनैस मैनेजमैंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रैंस टेस्ट के आधार पर होगा।

बी.टैक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टैक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एल.ई.ई.टी.) में दाखिला हरियाणा राज्य काऊंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रैंस टैस्ट(मैन)2022 और एल.ई.ई.टी. 2022 की मैरिट के आधार पर होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएच.डी. में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एन.आर.आई. व इंडस्ट्री स्पोंसर्स उम्मीदवारों के लिए भी पी.एच.डी. में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएच.डी. में दाखिला एंट्रैंस टैस्ट के आधार पर होगा।

उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पी.डब्ल्यू.डी.(दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होगी।

इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वैबसाइट hau.ac.in और admissions.hau.ac.in पर उपलब्ध प्रोस्पैक्टस में मौजूद होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	9.7.22	18	7-8

चौधरी चरण सिंह विवि में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

■ आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद के मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. जोगेन्द्र तोमर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी आनर्स कम्युनिटी साइंस व बीएससी आनर्स एग्रीबिजनेस मैनेजमैंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग व बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेंस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रेवाड़ी(बावल)	**10.7.2022**	--	--

शिक्षा

एचएयू हिसार में सत्र 2022 - 2023 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरु

पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 11 जुलाई

संवाद न्यूज एजेंसी

रेवाड़ी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार यानी एचएयू में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंतिम तिथि 11 जुलाई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिला कक्षा 12वीं के बाद प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। बी. टेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में भी होंगे दाखिले

इस विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोतर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिला सामान्य प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, इंटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हार्टिकल्चर, नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पेथोलोजी, सीड साइंस एवं टैक्नोलोजी, सायल साइंस, वेजेटेबल साइंस, एग्री. मेटीयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल हैं। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बॉयो केमिस्ट्री, बोटनी (केवल एमएससी), मोलिक्युलर बॉयोलोजी एंड बॉयोटैक्नोलोजी, बॉयोइन्फोमेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटैक्नोलोजी, प्लांट फिजियोलोजी, इनवायरनमेंट साइंस, माइक्रोबॉयोलोजी, जुलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मेथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टैक्सटाइल एंड एप्रेजल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलेपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। इस संबंध में कृषि महाविद्यालय बावल के प्रवक्ता ने बताया कि कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटैक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूऐबल एंड बॉयो एनर्जी, फूड साइंस एंड टैक्नोलोजी (एमटैक व पीएचडी) शामिल हैं कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्पोंसर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रूपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी(दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रूपए होगी। इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोस्टपेक्टस में मौजूद होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर (महेन्द्रगढ़)	10.7.2022	--	--

दैनिक भास्कर महेंद्रगढ़ भास्कर 10-07-2022

एचएयू में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, आवेदन 11 तक

महेंद्रगढ़ | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 6 वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम है। जिसमें बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (ऑनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (ऑनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा।

बीटेक(एग्रीकल्चर इंजी.) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजी. एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेंस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। कृषि महाविद्यालयय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, इंटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एवं टैक्नोलोजी, सायल साइंस, वेजीटेबल साइंस, एग्री. मेटीयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल हैं। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बॉयो केमिस्ट्री, बॉटनी (केवल एमएससी), मोलिक्युलर बॉयोलोजी एंड बॉयोटैक्रोलॉजी, बॉयोइंफ्रोमेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटैक्नोलोजी, प्लांट फिजियोलोजी, एनवायरमेंट साइंस, माइक्रोबॉयोलोजी, जुलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मैथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टैक्सटाइल एंड एप्रेजल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलेपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटैक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्युएबल एंड बॉयो एनर्जी, फूड साइंस एंड टैक्नोलॉजी (एमटैक व पीएचडी) शामिल हैं। कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। एनआरआई व इंडस्ट्री स्पोंसर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज, दैनिक सवेरा (पंचकुला)	9.7.2022	--	--

महानिदेशक, सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा

प्रैस कतरनें दिनांक 9-7-22 **दैनिक सवेरा**

9-7-22

आज समाज

चौ चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

■ पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई

आज समाज नेटवर्क

पंचकूला। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

● पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई

पंचकूला, 8 जुलाई (संतोष): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रि या शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रि या 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद ग्रीकल्चर एपटीट्यूड टैस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्र म जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमैंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रैंस टैस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टैस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर (बावल)	9.7.2022	--	--

कृषि विवि हिसार व संबंद्ध कॉलेजों में यूजी और पीजी में दाखिले के लिए आवेदन जारी

11 जुलाई तक कर सकते हैं अप्लाई, पीएचडी में भी दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा

भास्कर न्यूज | रेवाड़ी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व इससे संबंद्ध कॉलेजों में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला 10वीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी(बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोतर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यायलय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, इंटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पेथोलोजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलोजी, सायल साइंस, वेजीटेबल साइंस, एग्री. मेटीयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल हैं।

मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बॉयो केमिस्ट्री, बोटनी (केवल एमएससी), मोलिक्युलर बॉयोलोजी एंड बॉयोटैक्नोलोजी, बॉयोइन्फ्रोमेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटैकनोलोजी, प्लांट फिजियोलोजी, इनवायनमेंट साइंस, माइक्रोबॉयोलोजी, जुलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मैथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टैक्सटाइल एंड एप्रेजल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलेपमेंट एंड फैमिली स्ट्डीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटैक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूऐबल एंड बॉयो एनर्जी, फूड साइंस एंड टैक्नोलोजी (एमटैक व पीएचडी) शामिल हैं।

बाहरी राज्यों के आवेदक भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए कर सकेंगे आवेदन

हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्पॉंसर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी(दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होगी। इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in और admissions.hau.ac.in पर उपलब्ध प्रोस्पेक्टस में मौजूद होगी।

बावल में बीएससी 4 और 6 वर्षीय एग्रीकल्चर कोर्स शुरू

जिले के बावल कृषि कॉलेज में भी 10वीं के बाद 6 वर्षीय बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर और 12वीं के बाद 4 वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर के अलावा एमएससी व पीएचडी के लिए विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इनमें भी 11 जुलाई अंतिम तिथि है। बावल में 10वीं के बाद चल रहे 6 वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स के पाठ्यक्रम में 55 सीटें हैं और 12वीं 4 वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर में भी 55 सीटें हैं। 6 विषयों में पीएचडी और 6 ही में एमएससी कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर(यमुनानगर)	**9.7.2022**	--	--

चौधरी चरण सिंह विवि में दाखिले की प्रक्रिया शुरू, 11 तक कर सकेंगे आवेदन

यमुनानगर| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 11 जुलाई तक जारी रहेगी। विवि के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट, जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम, जिसमें बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर बीएफएससी बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस, बीएससी आनर्स कम्युनिटी साइंस व बीएससी ऑनर्स एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं पास होगा जरूरी है।

इसके लिए एंट्रेंस टेस्ट होगा। बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग व बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसाइटी द्वारा जॉइंट एंट्रेंस टेस्ट मैन 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा। इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में दाखिले होंगे। विवि के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (फरीदाबाद)	9.7.2022	--	--

विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ: प्रो. बीआर काम्बोज

फरीदाबाद। पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई संबंधित साइट पर ले सकते हैं अधिक जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 22 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर कांबोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमैंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बीटेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, इंटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पेथोलोजी, सीड साइंस एवं टैक्नोलोजी, सायल साइंस, वेजीटेबल साइंस, एग्री. मेटीयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल हैं। कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्पोंसर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रूपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी(दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रूपए होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला (रोहतक)	9.7.2022	--	--

चौधरी चरण सिंह विवि में प्रवेश के लिए आवेदन 11 तक

रोहतक। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन 11 जुलाई तक जारी रहेंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (ऑनर्स) कम्यूनिटी साइंस व बीएससी (ऑनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर दाखिला होगा। बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसाइटी के ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट (मेन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रॉस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन फीस 1500 रुपये, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 375 रुपये फीस है। इसके अलावा सीटों की संख्या, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि जानकारी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला(करनाल)	**9.7.2022**	--	--

कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, 11 जुलाई तक करें आवेदन

कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला, सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध

संवाद न्यूज एजेंसी

करनाल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (ऑनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (ऑनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बीटेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) और बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेंस टेस्ट (मेन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

विश्वविद्यालय के करनाल स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वयक डॉ. महा सिंह जागलान ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, एंटोमोलॉजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमेटोलॉजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री मेटीरियोलॉजी व फॉरेस्ट्री विषय शामिल हैं। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायो केमिस्ट्री, बॉटनी (केवल एमएससी), मोलिक्यूलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, इनवायरनमेंट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स व मैथेमेटिक्स विषय होंगे।

गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टेक्सटाइल एंड एपेरल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूएबल एंड बायो एनर्जी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं।

बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी कर सकते हैं आवेदन

हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई और इंडस्ट्री स्पांसर्ड उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रास्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपये जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपये होगी। उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता और दाखिला प्रक्रिया आदि सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला (महेन्द्रगढ़)	10.7.2022	--	--

Youth & Women
युवा-महिला-संस्कृति-समाज

my city
महेंद्रगढ़-न

एचएयू : प्रवेश के लिए कल तक करें आवेदन

छह वर्षीय बीएससी ऑनर्स के लिए 10वीं पास कर सकेंगे आवेदन, मेरिट के आधार पर होगा प्रवेश

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ संयोजक डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद विद्यार्थी ले सकते हैं। एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेंस टेस्ट (मेन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

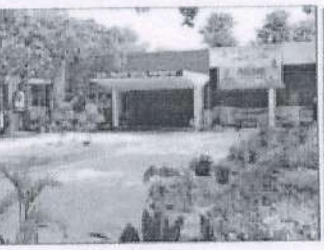

कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़। संवाद

संयोजक डॉ. रमेश कुमार।

गृह विज्ञान में शामिल रहेंगे यह कोर्स

गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रिशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टेक्सटाइल एंड एपेरल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं।

सामान्य श्रेणी के लिए 1500 रुपये रहेगी फीस

उन्होंने बताया कि हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई/इंडस्ट्री स्पॉन्सर्ड उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन शुल्क 1500 रुपये जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपये होगी। इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ले सकते हैं।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी कार्यक्रम में होंगे दाखिले. डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेंसटेस्ट के आधार पर होगा। कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, एंटोमोलॉजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमाटोलॉजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजीटेबल साइंस, एग्री. मेटीयोरोलॉजी, फॉरेस्ट्री विषय शामिल हैं। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायो केमिस्ट्री, बोटनी (केवलएमएससी), मॉलिक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायो टेक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, इनवायरनमेंट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, सोसयोलॉजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मैथेमेटिक्स विषय होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एक्शन इंडिया (पानीपत)	10.7.2022	--	--

कृषि विवि में स्नातक व स्नातकोतर के लिए प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

बापौली/टीम एक्शन इंडिया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी(बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेंस टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 की मैरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोतर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले: उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, इंटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमेटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलोजी, सीड साइंस एवं टैक्नोलोजी, सायल साइंस, वेजीटेबल साइंस, एग्री. मैटीयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल है। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में कैमिस्ट्री, बॉयो केमिस्ट्री, बोटनी (केवल एमएससी), मोलिक्युलर बॉयोलोजी एंड बॉयोटैक्नोलोजी, बॉयोइन्फोर्मेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटैक्नोलोजी, प्लांट फिजियोलोजी, इनवायनमेंट साइंस, माइक्रोबॉयोलोजी, जुलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मैथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टैक्सटाइल एंड एपेरल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलेपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल है।

पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूएबल एंड बॉयो एनर्जी, फूड साइंस एंड टैक्नोलोजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रोहतक	10.7.2022	--	--

Youth & Women
युवा • महिला • संस्कृति • समाज

my city भिवानी • 3

कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा

संवाद न्यूज एजेंसी

भिवानी। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीटयूड टेस्ट, जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले : विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एग्रोनोमी, इंटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलॉजी, सायल साइंस, वेजीटेबिल साइंस, एग्री. मेटीयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल हैं।

मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बॉयो केमिस्ट्री, बॉटनी (केवल एमएससी), मॉलिक्युलर बायोलोजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, बॉयोइन्फोमेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायो टैक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलोजी, इनवायनमेंट साइंस, माइक्रोबॉयोलोजी, जुलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिक्स, फिजिक्स, मेथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टेक्सटाइल एंड एप्रेजल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलेपमेंट एंड फैमिली स्ट्डीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय। संवाद

ऑनलाइन फार्म वेबसाइट पर उपलब्ध

ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपये, जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपये होगी। इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in ⬚⬚⬚Uadmissions.hau.ac.in पर उपलब्ध प्रॉस्पेक्टस में मौजूद होंगी।

अब 14 तक कर सकेंगे आवेदन

भिवानी। सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) की पूरक परीक्षा जुलाई-2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि को 14 जुलाई तक बढ़ा दिया है। मगर, इसके लिए एक हजार विलंब शुल्क लगेगा। पहले एक हजार रुपये विलंब शुल्क सहित सात जुलाई तक आवेदन का मौका था, जिसे अब तक 14 तक बढ़ाया गया है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. जगबीर सिंह व बोर्ड सचिव श्रीकृष्ण कुमार, ह.प्र.से. ने बताया कि सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) परीक्षा जुलाई-2022 के लिए परीक्षार्थी 1000/- रुपये विलंब शुल्क के साथ अंतिम तिथि 7 जुलाई, 2022 निर्धारित की गई थी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों के भविष्य को देखते हुए सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) परीक्षा जुलाई-2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ाई गई है। परीक्षार्थी अपना आवेदन फार्म बोर्ड की वेबसाइट www.bseh.org.in पर दिए गए लिंक पर भरना सुनिश्चित करें। संवाद

बाहरी राज्यों के विद्यार्थी भी ले सकेंगे पीएचडी में दाखिला

कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्पॉन्सर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	10.7.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमैंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेंस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनोमिक्स, एग्रोनोमी, एंटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमेटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पेथोलोजी, सीड साइंस एवं टैक्नोलोजी, वानिकी साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री. मेटीयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विषय शामिल हैं। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायो केमिस्ट्री, बोटनी (केवल एमएससी), मॉलिक्यूलर बायोलोजी एंड बायोटेक्नोलोजी, बायोइन्फोर्मेटिक्स, एग्रीकल्चरल बायोटैक्नोलोजी, प्लांट फिजियोलोजी, इनवायरनमेंट साइंस, माइक्रोबायोलोजी, जुलोजी, सोशियोलोजी, स्टेटिस्टिक्स, फिजिक्स, मैथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रिशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टैक्सटाइल एंड एप्रेजल डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूएबल एंड बायो एनर्जी, फूड साइंस एंड टैक्नोलोजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं।

कुलपति ने बताया कि हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री स्पोंसर्ड उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होगी। इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोस्पेक्टस में मौजूद होंगी।